संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -298 शुक्रवार,30 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दैनिक घटती घटना कलम बंद

छत्तीसगढ़ सरकार 36 घंटे भी नहीं दिए

और उजाड़ दिया आशियाना

अब तो बताईये स्वास्थ्यमंत्री जी...क्या छापे ?

पर इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

कलम बंद का 59 वां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

» छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार क्या गैर संवेदनशील सरकार है...?

» सरकार को कमियां ना दिखाएं तो क्या दिखाएं...?

» क्या विष्णुदेव साय सरकार बेहतर चल रही है...सिर्फ यह बात आईएएस लॉबी को पता है...आम जनता को नहीं है जानकारी...?

» किसी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी वह करता है मंत्री के घर मनमर्जी, दिव्यांग मांग रहे अधिकार क्या उन्हे दोगे न्याय प्रदेश के कर्णधार?

» क्या फर्जी दिव्यांग और फर्जी डिग्री के आधार पर जो कर रहे नौकरी उन्हे होगी जेल...उन्हें मिल सकेगा संकल्प पत्र अनुसार दण्ड...?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण?

कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...

जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा?

मेरे दो अनमोल रतन

एक है संजय,तो दूसरा प्रिंस!

इस समय स्वास्थ्य मंत्री के दो अनमोल रतन बने हुए हैं दोनों के ऊपर गंभीर आरोप होने के बावजूद कार्यवाही में विलंब कुछ ऐसा ही इशारा करता हैं...

कौन सी खबर प्रकाशित करें स्वास्थ्य मंत्री जी व आयुक्त सहसंचालक मयंक श्रीवास्तव जी ?

आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं आपके विभाग में कितनी कमियां हैं यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रेमन डेका से हस्तक्षेप की मांग...

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब?

स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

क्या सरगुजा कलेक्टर ने अपने घनिष्ठ प्रिंस की शिकायत को दिया तवज्जो

नियम को तोड़ मरोड़ कर अखबार के कार्यालय व प्रतिष्ठान को किया तबाह ...

» क्या प्रभारी डीपीएम प्रिंस ने अपने घनिष्ठ सरगुजा कलेक्टर एवं एनएचएम के पूर्व एमडी का इस्तेमाल किया दैनिक घटती-घटना कार्यालय प्रतिष्ठान तुड़वाने के लिए ?

» अखबार के कार्यालय व प्रतिष्ठान पर हुई कार्यवाही को लेकर सरगुजा कलेक्टर व प्रिंस के पुराने संबंधों की बात आ रही सामने...

» जो अखबार प्रिंस के अनियमिताओं की खबर प्रकाशित कर रहा था उसी की शिकायत पर कलेक्टर ने अखबार के कार्यालय व प्रतिष्ठान पर की द्वेषपूर्ण बुलडोजर कार्यवाही

» प्रभारी डीपीएम की शिकायत निकली काफी प्रभावशील पर प्रभारी डीपीएम के विरुद्ध हो रही शिकायत क्या नहीं है जांच लायक ?

-विशेष संवाददाता-

अम्बिकापुर/रायपुर,29 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। वर्तमान शासन के द्वारा किसी अखबार के प्रतिष्ठान व कार्यालय पर की गई कार्यवाही पूरे प्रदेश के लिए सुर्खियां बन गई है। सुर्खियां इसलिए बन गई हैं क्योंकि कार्यवाही भी नियमों को तोड़-मरोड़ कर सरगुजा कलेक्टर ने अपने घनिष्ठ प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल को खुश करने के लिए किया है। जैसे-जैसे समय बीत रहा है...वैसे-वैसे कई तथ्य व बातें सामने आने लगी है...और जो तथ्य व बातें सामने आ रही हैं...वह कहीं ना कहीं मामले से जुड़ा हुआ है... और उस पर विश्वास करने योग्य है। सरगुजा कलेक्टर भोस्कर विलास संदीपान पूर्व सरकार में एनएचएम के एचडी थे जिस वजह से एनएचएम के प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल के साथ उनके घनिष्ठ संबंध होने की बात भी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच काफी घनिष्ठ संबंध थे,जिस वजह से प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की शिकायत पर सरगुजा अंचल के समाचार-पत्र दैनिक घटती-घटना कार्यालय व प्रतिष्ठान पर नियमों को तोड़-मरोड़कर कार्यवाही की गई ताकि कलेक्टर के घनिष्ठ प्रिंस जायसवाल के विरुद्ध अखबार खबर न प्रकाशित करे क्योंकि उनके घनिष्ठ मित्र प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की अनियमिताओं की शिकायतें तो हैं ही...साथ ही साथ ही उनकी डिग्री भी फर्जी होने का आरोप है, जिसकी जांच के लिए एक व्यक्ति

कार्यालय के चक्कर लगा रहा है पर उसकी शिकायत पर कार्यवाही नहीं हो रही,पर वहीं शिकायतों के आधार पर खबर प्रकाशित करने वाले अखबार पर उस व्यक्ति की शिकायत पर कार्यवाही हुई जिसकी खबर उस अखबार में प्रकाशित हो रही थी और कार्यवाही भी नियम के विरुद्ध हुई और ऐसे समय पर हुई जिसे लेकर सरकार व प्रशासन की छवि भी गिर गई,एक प्रभारी डीपीएम से अपने घनिष्ठता का परिचय देते हुए सरगुजा कलेक्टर ने अपनी नीची सोच का परिचय दे दिया। वैसे क्या एनएचएम के डायरेक्टर रहते हुए क्या कलेक्टर सरगुजा ने डीपीएम प्रिंस जायसवाल के साथ क्या कुछ ज्यादा घनिष्ठता बनाई हुई थी यह भी अब एक बड़ा सवाल है?

ईमानदार कलेक्टर ने अपने बेईमान घनिष्ठ प्रभारी डीपीएम के लिए अपनी ही कलम को फंसा लिया ?

कलेक्टर सरगुजा को वैसे तो काफी ईमानदार छवि का माना जा रहा था जब वह सरगुजा पहुंचे थे कलेक्टर बनकर लेकिन जैसे ही उनका नाम प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल से जुड़ा वैसे ही उनकी भी छवि अब पाक-साफ नहीं रह गई यह माना जा सकता है। एक फर्जी अहर्ता के आधार पर नौकरी करने के आरोपी के साथ उनकी घनिष्ठता उनकी छवि को नुकसान पहुंचा रही है। प्रभारी डीपीएम प्रिंस की तो आदत में ही छल और भ्रष्टाचार शुमार है वहीं जैसे ही उसकी शिकायत पर कलेक्टर सरगुजा एक अखबार के विरुद्ध सक्रिय हुए उसे नेस्तनाबूत करने के लिए यह तय हो गया की कलेक्टर सरगुजा खुद के विवेक से चलने की बजाए एक ऐसे व्यक्ति के इशारे पर काम कर रहे हैं जो फिलहाल जिस नौकरी में है उसके ही जांच की मांग हो रही है और उसके अहर्ता के भी फर्जी होने की बात कही जा रही है भ्रष्टाचार के आरोप तो जो हैं वह हैं ही।

महाराष्ट्र के रहने वाले आईएएस ने छत्तीसगढ़ में एक अजीबोगरीब उपलब्धि अपने साथ जोड़ ली...

विलास भोसकर संदीपान छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस तो हैं लेकिन वह महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। महाराष्ट्र के रहने वाले कलेक्टर सरगुजा ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले के कलेक्टर के तौर पर कार्य करते हुए केवल इसलिए एक अखबार के कार्यालय पर कार्यवाही द्वेषपूर्ण कार्यवाही की क्योंकि वह अखबार एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ समाचार प्रकाशित कर रहा था जो फर्जी डिग्री के आधार पर नौकरी कर रहा है और जिसके ऊपर इस आरोप के साथ भ्रष्टाचार के भी आरोप हैं। कहा जाए तो एक भ्रष्ट व्यक्ति के लिए सारे नियमों को उलट-पलट दिया कलेक्टर सरगुजा ने खुद की ईमानदार छवि को उन्होंने एक भ्रष्ट व्यक्ति के लिए हाशिए पर डाल दिया।

एक प्रभारी डीपीएम के लिए कलेक्टर,स्वास्थ्य मंत्री सहित पूरा शासन व प्रशासन अपनी फजीहत करा लिया

एक प्रभारी डीपीएम में ऐसा क्या खास है जबकि उसकी डिग्री भी फर्जी है जिस आधार पर वह नौकरी में है ऐसा आरोप है के इशारे पूरी सरकार मंत्री कलेक्टर जो चल रहे हैं। ऐसा क्या वह फायदा इन लोगों को पहुंचा रहा है जो सभी नियम उसके लिए तोड़े जा रहे हैं। वह भ्रष्टाचार भी करे तो जांच नहीं उसकी डिग्री भी फर्जी फिर भी कोई कार्यवाही या जांच नहीं ऐसा क्यों। आखिर क्यों उस डीपीएम फर्जीवाड़े के आरोपी डीपीएम के लिए सभी अपनी फजीहत करा रहे हैं। सवाल कई हैं और जवाब मांगा जाएगा क्योंकि बात ही कुछ ऐसी है।

कार्यवाही हुई तो उसके शिकायत पर जिसकी खबर छप रही थी... सरगुजा से नहीं मिला शिकायतकर्ता तो कोरिया से ढूंढ लाए...

दैनिक घटती घटना अखबार के कार्यालय व प्रतिष्ठा पर कार्यवाही करने के लिए सरगुजा जिला प्रशासन ने कैसे शिकायतकर्ता को ढूंढ कर लाया, वह भी जिसके विरुद्ध लगातार अनियमिताओं खबर छप रही थी, सरगुजा जिले में नहीं मिला शिकायतकर्ता तो कोरिया से ढूंढ निकाला गया शिकायतकर्ता,ताकि अखबार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा सके और खबर को लेकर दबाव बनाया जा सके। यहां तक की कलम बंद अभियान को भी बंद किया जा सके।

वर्ष 2000 से वर्ष 2024 तक कई कलेक्टर बदले किसी को भी जमीन कीमती नहीं देखी...कीमती लगी भी तो...सरगुजा के 52 वें कलेक्टर साहब को...

सरगुजा जिला के पहले कलेक्टर की पदस्थापना 1 जनवरी 1948 को हुई थी वह कलेक्टर का नाम है जेडी केरवाला,तब के बाद से विलास भोसकर संदीपन 52 नंबर के कलेक्टर है,जिस जमीन से बेदखली की गई उसे पर कब्जा लगभग 1984 से था,1984 से यदि देखे तो 26 कलेक्टर आए व गए किसी को भी उस जमीन की लालसा नहीं दिखाई दी। जमीन पर दैनिक घटती-घटना का कार्यालय स्थापित है उसे जमीन पर कब्जा लगभग 35-40 वर्ष पुराना है यहां तक की कार्यालय का भी 25 वर्ष लगभग होने को है पर इतने वर्षों में भी किसी भी कलेक्टर को वह जमीन बेशकीमती नहीं लगी, अचानक जब सत्ता परिवर्तन हुआ और भाजपा की सरकार आई और कुछ छोटी सोच के मंत्री आए तब उसे जमीन की कीमत बेस कीमती कलेक्टर साहब को लगने लगी,पर सवाल यह है कि पूरे सरगुजा के अंबिकापुर शहर में 40-45 प्रतिशत आबादी की जमीन पर कब्जा है क्या वह सब जमीन कीमती नहीं लगी सिर्फ कीमती लगी तो उसे अखबार के कार्यालय की जमीन जो अखबार लगातार सरकार को उनकी कमियों को आइना की तरह दिखा रहा था।

एक अखबार के कलम बंद करने से लेकर अखबार के कार्यालय व संपादक के प्रतिष्ठान के टूटने तक की कहानी

छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के दैनिक घटती-घटना अखबार को आखिरकार कलम बंद क्यों करना पड़ा..? यह सवाल सभी के जेहन में आ रहा होगा...तो हम आपको बताना चाहेंगे कि दैनिक घटती-घटना अखबार सदैव ही लोगों के लिए सच्ची खबर प्रकाशित करने का काम करता है,सरकार किसी की भी हो उन्हें कमियां दिखाने का काम करता रहा है,वर्तमान सरकार में कमियों को दिखाने का काम एक बार फिर दैनिक घटती-घटना ने शुरू किया जिसका प्रमाण यह मिला कि कार्यालय व प्रतिष्ठा को जमीदोज कर दिया।

» प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जो दैनिक घटती-घटना की खबरों की ही देन है उनसे जुड़ी कमियों को अखबार ने जब दिखाना शुरू किया तो उन्हें यह बात रास नहीं आई।

» स्वास्थ्य मंत्री के विभाग में जो हो रहा था उससे उनकी छवि खराब हो रही थी जिसे बताने का काम दैनिक घटती-घटना ने किया तो यह नहीं पता था कि उन्हें बताना कभी महंगा पड़ेगा।

» कमियां दूर करने के बजाय दैनिक घटती-घटना को दबाने के लिए उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए जून 2024 में शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाया गया।

» विज्ञापन रोक लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर दबाब बनाने के फैसले के विरोध में दैनिक घटती-घटना ने 1 जुलाई 2024 से कलम बंद अभियान की शुरुआत की ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हमेशा ही स्वतंत्रता के साथ काम कर सके।

» दैनिक घटती-घटना अखबार इस अभियान को सिर्फ अपने लिए शुरू नहीं किया...लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को बचाने के लिए इस अभियान को शुरू किया...।

» दैनिक घटती-घटना के कलम बंद अभियान को संज्ञान में लेने के बजाय उस अभियान को बंद करने के लिए 28 जुलाई 2024 अखबार के कार्यालय व संपादक के प्रतिष्ठान पर बुलडोजर की कार्यवाही की गई।

» अखबार के कार्यालय को और संपादक के प्रतिष्ठान को तोड़ने के लिए 19 जुलाई 2024 को कैबिनेट की बैठक रखी गई।

» 23 जुलाई 2024 को पूर्व सरकार के 152 परसेंट व फ्री होल्ड योजना को निरस्त कर दिया गया...यह आदेश लोगों की जानकारी में 26 जुलाई को आया और 26 जुलाई को ही बेदखली का नोटिस 23 जुलाई की तिथि पर दिया गया।

» अखबार के संपादक को बेदखली का नोटिस पितृ शोक के दौरान मिला 26 जुलाई को शाम 6:45 बजे के बाद मिला और 27 जुलाई का समय दिया गया बेदखली का।

» पितृ शोक में रहने के बावजूद संपादक ने तत्काल ही 26 जुलाई को संबंधित अधिकारी को बेदखली में खाली करने के लिए समय मांगा गया पर समय न देकर 28 जुलाई को सुबह 5 बजे प्रशासन कई बुलडोजर व सुरक्षा के साथ पहुंच गया।

» कार्यवाही की एक दिन पहले 27 जुलाई को रात 10:30 बजे स्वास्थ्य मंत्री के प्रतिनिधिमंडल जिसमें उनके ओएसडी संजय मरकाम सहित चार अन्य लोग संपादक के घर बैठे रहे और मामले को सॉर्ट आउट करने की बात करते रहे।

» स्वास्थ्य मंत्री का प्रतिनिधिमंडल 4:00 तक संपादक के घर बैठ रहा और 5:00 बजे कार्रवाही करने पूरा प्रशासनिक अमला पहुंच गया।

» दैनिक घटती-घटना के कलमबंद अभियान के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री और संयुक्त संचालनालय जनसंपर्क के उपसंचालक मयंक श्रीवास्तव से शासकीय विज्ञापन बंद करने को लेकर सवाल पूछा कि आखिर क्या छापे जिससे आपको बुरा ना लगे?

» यह बात भी सरकार को नागवार गुजरी और सरकार ने और बड़ा कदम उठाया ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कुचला जा सके।

» कलमबंद अभियान के तहत प्रदेश के जिम्मेदार व प्रदेश की बेहतरी के लिए जिनके हाथों में कमान है उनसे सवाल किया गया पर वह सवाल को भी बर्दाश्त नहीं कर पाए और 28 में दिन दैनिक घटती-घटना के संस्थान पर बुलडोजर चलवा दिया।

» बुलडोजर चलवाना भले ही लोकतंत्र को कुचलने के लिए आसान लगा हो पर बुलडोजर चलने की आवाज भी पूरे देश में गूंज गई।

» पूरे देश में छत्तीसगढ़ सरकार की तानाशाही दिख गई...लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास दिख गया...पर नहीं दिख सकी तो सरकार की संवेदनशीलता सरकार ने यह बता दिया कि उनके अंदर संवेदना बिल्कुल नहीं है।

» जिस समय कार्यवाही की गई वह समय संपादक के घर पर शोक का था पर शोक के समय में सरकार ने कार्यवाही करके हिंदूवादी पार्टी होने के दावे को भी झुठला दिया।

» अखबार जो कमियों को दिखा रहा था वह कमी वाकई में सरकार की छवि को खराब कर रही थी सरकार अखबार की खबरों पर संज्ञान लेकर अपनी छवि को बेहतर कर सकती थी।

» उनके मंत्री अपनी छवि को बेहतर कर सकते थे पर अपनी छवि बेहतर करने के बजाय अपनी छवि को और खराब करने का सरकार का प्रयास सरकार के लिए ही गले की फांस बन गई।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,29 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आप ही तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उस कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार के पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही तो...फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

बुलडोजर कार्यवाही करवाकर संतुष्ट हुए स्वास्थ्य मंत्री जी अब तो बताईए क्या छापें

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है... संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?

अम्बिकापुर,29 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें?

क्या छापें माननीय प्रधानमंत्री जी?

कलम बंद...का 59 वां दिन

?

कलम बंद...का 59 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,29 अगस्त 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

अब आप ही पूछकर बताईए कलेक्टर सरगुजा विलास भोसकर साहब...कि क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर ,29 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

राष्ट्रपति महोदया,आखिर छापें क्या ?

कलम बंद...का 59 वां दिन

कलम बंद...का 59 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

एशियन चैंपियन बनने को तैयार है भारतीय हॉकी टीम

» पीआर श्रीजेश की जगह ये खिलाड़ी निभाएगा गोलकीपर की भूमिका

नई दिल्ली,29 अगस्त 2024। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। लगातार दो ओलंपिक मेडल जीतने के बाद देश में इस खेल के प्रति लोगों का प्यार और लोकप्रियता बढ़ी है। टीम के खिलाड़ियों ने पेरिस के बाद अपने अगले मिशन की तैयारी शुरू कर दी है। भारतीय हॉकी का अगला मिशन एशियन चैंपियंस ट्रॉफी, पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम के दस सदस्य इस टीम में हैं।

एक लंबे अरसे बाद ऐसा मौका होगा जब टीम बिना दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश के बिना उतरेगी। पीआर श्रीजेश के संन्यास के बाद आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृषन बहादुर पाठक को हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली 18 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम का मुख्य गोलकीपर बनाया गया है।

बता दें कि, श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया था। उनकी जगह पाठक ने ले ली है। जबकि सूरज करकेरा रिजर्व गोलकीपर रहेंगे। 2021 में भी टोक्यो ओलंपिक के बाद एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उन्हें आराम दिया गया था। भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे। ये टूर्नामेंट आठ से 17 सितंबर तक खेला जाएगा। अनुभवी मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को उपकप्तान बनाया गया है। नियमित उपकप्तान हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, शमशेर सिंह और गुरजंत सिंह को आराम दिया गया है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय हॉकी टीम इस प्रकार है

गोलकीपर- कृशन बहादुर पाठक, सूरज करकेरा

डिफेंडर- जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराद सिंह, संजय और सुमित।

मिडफील्डर- राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह और महोम्मद राहील।

फॉरवर्ड- अभिषेक, सुखजीत सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह।

मुख्य कोच- क्रेग फुल्टोन।

पाकिस्तान का बड़ा फैसला

» प्लेइंग 12 से इस खिलाड़ी को अचानक किया बाहर

रावलपिंडी,29 अगस्त 2024। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 30 अगस्त से रावलपिंडी में खेला जाएगा। हालांकि अभी मुकाबला शुरू होने में एक दिन का वक्त है, लेकिन इससे पहले ही पाकिस्तान ने अपनी प्लेइंग 12 का ऐलान कर दिया है। यानी जो टीम अभी सोशल मीडिया पर शेयर की गई है, उसमें एक खिलाड़ी बाहर हो जाएगा और बाकी टीम मैच खेलते हुए नजर आएगी। बड़ी और खास बात ये है कि इन 12 खिलाड़ियों में शाहीन शाह अफरीदी का नाम ही नहीं है। अगर कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो शाहीन अगला मुकाबला खेलते हुए नजर नहीं आएंगे।

पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट के लिए अबरार अहमद को टीम में किया शामिल

पाकिस्तान टीम बांग्लादेश से पहला टेस्ट मैच हार चुकी है और सीरीज में पीछे चल रही है। ये पहली बार हुआ है, जब बांग्लादेश ने टेस्ट में पाकिस्तान को हराया है। इससे भी बड़ी बात ये है कि पाकिस्तान को पहली बार अपने घर पर 10 विकेट से टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान ने एक दिन पहले ही अबरार अहमद और कामरान गुलाम को बुलाया था, जो पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे। अब इन 12 घोषित खिलाड़ियों में अबरार का नाम तो है, लेकिन कामरान का नाम नदारद है।

शाहीन का नाम पहले 12 खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल नहीं

जिन 12 खिलाड़ियों की लिस्ट पाकिस्तान क्रिकेट की ओर से सोशल मीडिया पर शेयर की गई है, उसमें शाहीन शाह अफरीदी का नाम नहीं है। वे पहला टेस्ट मैच खेले थे। इसके बाद अपने बच्चे के जन्म के कारण टीम का साथ छोड़कर चले गए थे। हालांकि 28 अगस्त को ही खबर आई थी कि शाहीन शाह अफरीदी अपनी टीम के साथ वापस जुड़ गए हैं, इसके बाद संभावना थी कि वे खेलते हुए नजर आएंगे, लेकिन अब उनका नाम ना देख सभी लोग चौंक गए हैं। शाहीन शाह अफरीदी एक मैच विनर खिलाड़ी हैं, ये वे कई बार साबित भी कर चुके हैं। वनडे विश्व कप 2023 के बाद बाबर आजम को हटाकर उन्हें कप्तान भी बनाया गया था, लेकिन उसके बाद जब वे भी मैच नहीं जिता पाए तो वापस शाहीन को कप्तान बना दिया गया था। इस बीच पहला टेस्ट मैच हराने के बाद पाकिस्तानी टीम में विवाद की बातें भी सामने आई थीं। एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें टेस्ट कप्तान शान मसूद शाहीन के कंधे पर हाथ रखकर बात कर रहे हैं, लेकिन अचानक से शाहीन उनका हाथ अपने कंधे पर से हटा देते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए पाकिस्तान के 12 प्लेयर्स- शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील (उपकप्तान), अबरार अहमद, मोहम्मद अली, सलमान अली आगा, सईम अयूब, बाबर आजम, मीर हमजा, मोहम्मद रिजवान, अब्दुल्ला शफीक, नसीम शाह, खुर्रम शहजाद।

टी 20 वर्ल्ड कप से पहले इस देश की मेजबानी करेगा पाकिस्तान

मुल्तान,29 अगस्त 2024। पाकिस्तान महिला टीम सितंबर 2024 में अपने घरेलू मैदान पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में साउथ अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस दौरे की पुष्टि कर दी है और इसकी शुरुआत 16 सितंबर को पहले टी20 मैच से होगी। दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम 13 सितंबर को मुल्तान पहुंचेगी और इस सीरीज के सभी तीन मैच मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

टी 20 वर्ल्ड कप की तैयारी का मिलेगा मौका

अक्टूबर महीने में यूएई में आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप खेला जाना है उससे पहले दोनों टीमों के बीच होने वाली इस तीन मैचों की टी20 सीरीज से उन्हें अपनी तैयारियों को परखने का एक मौका मिल जाएगा। पाकिस्तान ने इस सीरीज के लिए अपनी टीम का भी ऐलान कर दिया है जिसमें उसी टीम को चुना गया है जो महिला टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी। इस सीरीज के लिए अभी साउथ अफ्रीकी टीम का ऐलान होना बाकी है जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप के लिए भी टीम की घोषणा नहीं की है। फातिमा सना के लिए बतौर कप्तान ये सीरीज काफी अहम होने वाली है क्योंकि अब तक सिर्फ 2 ही मुकाबलों में इंटरनेशनल फॉर्मेट में उन्होंने कप्तानी की है और वह भी सिर्फ वनडे मैच में। पाकिस्तान टीम के लिए अब तक ये साल अच्छा नहीं रहा है, ऐसे में इस सीरीज में सभी की नजरें रहने वाली हैं।

तीन मैच की टी 20 सीरीज का पूरा शेड्यूल

पहला टी20 मैच - 16 सितंबर (मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम)
दूसरा टी20 मैच - 18 सितंबर (मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम)
तीसरा टी20 मैच - 20 सितंबर (मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम)

इस सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम

फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, गुल फिरोजा, इरम जावेद, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नशरा संधू, निदा डार, ओमैमा सोहेल, सदफ शमास, सादिया इकबाल (फिटनेस के आधार पर), सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह, तस्मिया रुबाब और तुबा हसन।

26 साल की उम्र में क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने को हुआ मजबूर

मेलबर्न,29 अगस्त 2024। क्रिकेट में बल्लेबाज के सिर पर गेंद अक्सर लगती रहती है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के विल पुकोस्की इतने अनलकी रहे कि उन्हें एक-दो नहीं बल्कि कुल 13 बार सिर पर चोट लगी। यही वजह है कि अब उन्हें रिटायरमेंट लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एक समय विल पुकोस्की को ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट में भविष्य का सितारा माना जा रहा था लेकिन मैदान पर कई बार सिर पर चोट खाने के चलते अब उनका प्रोफेशनल करियर खत्म होने जा रहा है। पुकोस्की को ये बड़ा फैसला मेडिकल स्पेशलिस्ट के पैनल की सिफारिश के बाद लेना पड़ा है। पुकोवस्की को सिर पर लगातार चोट लग रही थी लेकिन मार्च में उन्हें लगी आखिरी चोट उनके लिए घातक साबित हुई। इसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें खेल से दूर रहने की सलाह दी।

जैकब ओरम न्यूजीलैंड के गेंदबाजी कोच बने

वेलिंगटन,29 अगस्त 2024। पूर्व कीवी ऑलराउंडर जैकब ओरम को गुरुवार को न्यूजीलैंड के नए गेंदबाजी कोच के रूप में घोषित किया गया। आईसीसी के अनुसार, ओरम 7 अक्टूबर को शेन जुर्गेंसन द्वारा पिछले साल के अंत में खाली की गई भूमिका को संभालेंगे, जिसमें भारत में न्यूजीलैंड की तीन मैचों की आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला 46 वर्षीय के लिए पहला असाइनमेंट होगा। न्यूजीलैंड के लिए 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कैप जीतने और तीन आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप और चार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले ओरम गैरी स्टीड की कोचिंग टीम में एक खिलाड़ी और कोच के रूप में बहुत अनुभव लेकर आए हैं।

ओरम ने वेस्टइंडीज और यूएसए में हाल ही में हुए टी20 विश्व कप के दौरान गेंदबाजी कोच की भूमिका में ब्लैक कैप्स का समर्थन किया और 2022 की शुरुआत में घरेलू धरती पर होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप तक न्यूजीलैंड की महिला टीम के साथ भी इसी तरह का काम किया। अक्टूबर में भारत के खिलाफ तीन टेस्ट और इस साल के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के साथ, ओरम न्यूजीलैंड को लॉर्ड्स में 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने और अगले साल पाकिस्तान में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी इवेंट में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद करने के लिए उत्सुक होंगे।

आईसीसी के हवाले से ओरम ने कहा, मैं ब्लैक कैप्स के साथ फिर से जुड़ने का अवसर पाकर वास्तव में उत्साहित हूं। एक ऐसी टीम के साथ फिर से जुड़ना जो मेरे लिए बहुत मायने रखती है और मेरे जीवन का एक बड़ा हिस्सा रही है, वास्तव में सम्मान की बात है। पूर्व ऑलराउंडर ने कहा, हाल ही में मुझे जो अवसर मिले हैं, उनसे मुझे यह समझने में मदद मिली है कि यह टीम किस दिशा में जा रही है और मैं आने वाले सत्रों में भी इस काम को जारी रखने के लिए उत्साहित हूं। ब्लैक कैप्स की गेंदबाजी में प्रतिभा की एक नई लहर आ रही है और मुझे उम्मीद है कि मैं अपना ज्ञान और अनुभव उनके साथ साझा कर सकता हूं, ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए सर्वश्रेष्ठ तरीके से तैयार करने में मदद मिल सके।

दलीप ट्रॉफी में दिखेगा युवा तेज गेंदबाज हिमांशु चौहान का कमाल

नई दिल्ली,29 अगस्त 2024। दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सीजन में खेलने वाले 21 साल के युवा तेज गेंदबाज हिमांशु चौहान धीरे-धीरे अपनी पहचान इस खेल में बना रहे हैं। किसान परिवार से आने वाले हिमांशु ने स्कूल में 10 साल की उम्र में ही अपने स्पोर्ट्स टीचर को अपनी प्रतिभा से प्रभावित कर दिया था। हिमांशु मौजूदा भारतीय टीम के 2 सबसे शानदार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को अपना आदर्श मानते हैं। वहीं उन्होंने इंडिया टीवी के साथ एक्सक्लूजिव इंटरव्यू में अभी तक के अपनी जर्नी के बारे में खुलकर बात की जिसमें उन्होंने बताया आखिर उन्हें विराट कोहली के बारे में सबसे ज्यादा क्या बात पसंद है और किस तरह से हार्दिक पांड्या को उन्होंने नेट्स में 16 रन अपनी गेंदबाजी में नहीं बनाने दिए थे। हिमांशु 5 सितंबर से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी में टीम सी का हिस्सा हैं जिसमें यदि उन्हें खेलने का मौका मिलता है तो वह अपनी प्रतिभा से बड़े मंच पर प्रभाव छोड़ने की पूरी कोशिश करेंगे।

हार्दिक को गेंदबाजी करने के अपने अनुभव का हिमांशु ने किया जिक्र

हिमांशु चौहान ने इंडिया टीवी के साथ खास बातचीत में बताया कि उन्होंने गेंद को बेहतर सीम पोजीशन के साथ पकड़ने का तरीका मोहम्मद शमी को देखकर सीखा है। वहीं चौहान ने आईपीएल के दौरान हार्दिक पांड्या को नेट्स में गेंदबाजी करने के अपने एक किस्से के बारे में बताया जिसमें उन्होंने कहा कि पहली बार जब हार्दिक भैया बल्लेबाजी करने आए तो मैंने उन्हें एक शॉर्ट बॉल फेंकी जिसपर उन्होंने कहा कि ये काफी तेज है और इसके बाद उन्होंने मेरी 6 गेंदों पर 16 रन बनाने का चैलेंज लिया। ओपन नेट पर ये अभ्यास चल रहा था, इसलिए मैंने शुरुआती तीन गेंद यॉर्कर फेंकी और उसमें हार्दिक सिर्फ तीन रन ही बना सके।

इसके बाद मैंने एक गेंद लेंथ पर फेंकी जो भी अच्छी गेंद थी लेकिन हार्दिक ने इसे स्टैंड में पहुंचा दिया। उसके बाद आशीष नेहरा सर मेरे पास आए और सलाह दी कि यॉर्कर जब मैं अच्छी फेंक रहा था तो अपनी लेंथ में मैंने क्यों बदलाव किया। लेकिन मैंने उन्हें 16 रन नहीं बनाने दिए और इसपर मैं काफी खुश भी था जिसमें सभी ने मुझे बधाई भी दी। वहां से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा क्योंकि हार्दिक पांड्या की गिनती सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में की जाती है। हार्दिक ने बाद में मुझसे कुछ देर बात भी कि ताकि मैं अपने करियर को बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकूं। मेरे लिए ये काफी बड़ी बात थी क्योंकि हार्दिक जैसे बड़े कद का खिलाड़ी आपकी तारीफ करता है तो उससे आपको आत्मविश्वास भी मिलता है।

आईपीएल में आरसीबी की टीम से खेलना चाहता हूं

इंडियन प्रीमियर लीग को लेकर हिमांशु चौहान ने पूछे सवाल के जवाब में बताया कि वह आरसीबी की टीम से खेलना चाहते हैं क्योंकि उन्हें विराट कोहली की चैंपियन मानसिकता काफी पसंद है। हिमांशु चौहान को पहली बार देवांग गांधी ने नेट्स पर गेंदबाजी करते हुए देखा था जिसके बाद उनके करियर को एक अलग मुकाम पर लेकर जाने का मौका मिला। हिमांशु को इस बात की भी जिक्र किया कि उन्हें पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज पकंज सिंह से भी काफी कुछ सीखने का मौका मिला। इसी को लेकर हिमांशु ने बताया कि जब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए टीम चुनी गई, तो मैं वहां नेट्स में गेंदबाजी कर रहा था। मैंने कुछ बल्लेबाजों को आउट भी किया। नवदीप सैनी भाई और इशांत शर्मा भैया जैसे सीनियर भी वहां मौजूद थे। देवांग गांधी सर ने मुझसे फोन करके पूछा कि तुम कहां खेलते हो तो मैंने उन्हें बताया कि सर मैं अंडर-23 में खेल रहा हूं।

केएल राहुल के लिए रॉयल चैलेजर्स बेंगलुरु खोल सकती है खजाना

नई दिल्ली,29 अगस्त 2024। आईपीएल 2025 के लिए मामला गर्म हो चुका है। वैसे तो अभी तक किसी भी टीम ने अपने रिटेन और रिलीज किए जाने वाले खिलाड़ियों को लेकर कुछ भी नहीं कहा है, लेकिन छन छनकर कुछ खबरें सामने जरूर आ रही हैं। एलएसजी यानी लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान केएल राहुल अपनी टीम के साथ रहेंगे या नहीं, ये एक बड़ा सवाल है। इस बीच अगर केएल राहुल एलएसजी से रिलीज किए जाते हैं तो एक टीम की उन पर नजर हो सकती है। दरअसल राहुल उस टीम के लिए काफी काम के खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। हम बात कर रहे हैं आरसीबी यानी रॉयल चैलेजर्स बेंगलुरु की।

गैंग्स ऑफ वासेपुर,तुम्बाड,आरएचटीडीएम हो रही री-रिलीज

सिनेमाघर इस समय गुलजार है। स्त्री 2, वेदा और खेल खेल में जैसी फिल्में थिएटर्स में रिलीज हुई और अभी तक करोड़ों-लाखों कमा रही हैं। इस बीच सिनेमा लवर्स के लिए गुड न्यूज आई है। कुछ पुरानी पर बेहतरीन फिल्में फिर से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही हैं। इनमें आर माधवन और दीया मिर्जा की रहना है तेरे दिल में, अनुराग कश्यप की मास्टरपीस गैंग्स ऑफ वासेपुर और शानदार कॉन्टैंट वाली तुम्बाड सहित 7 फिल्में शामिल हैं, जो इसी शुक्रवार से री-रिलीज हो रही हैं। बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर दो दिन बाद 30 अगस्त को थिएटर्स में री-रिलीज हो रही है। ना सिर्फ पहला, बल्कि इस फिल्म का दूसरा पार्ट भी इसी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

इस हफ्ते साउथ के सुपरस्टार चियान विक्रम की फिल्म तंगालन हिंदी में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। फिल्म ने तमिस बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में पहले ही रेकॉर्ड बना लिए हैं। ऐसे में मेकर्स को उम्मीद थी कि फिल्म हिंदी बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन करेगी, लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा है। स्त्री 2 के डर से मेकर्स ने इसकी रिलीज को फिलहाल टाल दिया है। अब यह फिल्म 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।वरुण धवन की भतीजी अंजिन धवन, फिल्म बिन्नी एंड फैमिली के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही थीं। यह फिल्म 30 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, ये 20 सितंबर को रिलीज होगी।सनोज मिश्रा की फिल्म द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल में कोलकाता की जमीनी हकीकत को दिखाने की कोशिश की गई है। देशभर में गरमाए कोलकाता कांड को देखते हुए यह फिल्म काफी अहम मानी जा रही है। इसी बीच इसके निर्देशक के लापता होने की खबर भी आई थी। यह फिल्म 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।जैकी श्रॉफ, सनी लियोन, प्रियमणि और सारा अर्जुन जैसे कलाकारों से सजी तमिल क्राइम ड्रामा कोटेशन गैंग काफी चर्चा में है। इस फिल्म में सनी लियोन अपने ग्लैमरस अवतार के अलावा एक हत्यारे और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग में माहिर क्रूर गिरोह की अहम सदस्य की भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म 30 अगस्त को रिलीज होगी।

न्यायालय तहसीलदार कुसमी जिला-बलरामपुर-रा.गंज (छ0ग0)

क्रमांक/1767/वाचक/तह./2024 कुसमी,दिनांक 28/08/2024

::::::: **ईश्तहार** :::::::

रा.प्र.क्रं.202406270500039
अ-19(3)/2023-24 ग्राम कुसमी

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत स्वीकृत आर.ओ.पी. वित्तीय वर्ष 2022-24 के अंतर्गत नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य कुसमी हेतु नवीन भवन निर्माण कार्य हेतु कुसमी (CHC KUSMI) हेतु प्रशासकीय स्वीकृति पश्चात ग्राम कुसमी प0ह0न0 06 रा0नि0म0 कुसमी में स्थित भूमि खसरा नम्बर-908/1 रकबा 7.889 हे.में से 2.00 हे. भूमि का आबंटन हेतु आवेदन खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी द्वारा अनुविभागीय अधिकारी(रा.) कुसमी के कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदन जांच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त होने पर भूमि आबंटन हेतु जांच की कार्यवाही मेरे न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः इस संबंध में किसी भी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति है तो वे अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत दिनांक 12/09/2024 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/वैध अभिकर्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/08/2024 को मेरे पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

तहसीलदार
कुसमी
जिला-बलरामपुर-रा.गंज(छ.ग.)

सील

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) सूरजपुर,जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 /अ-2/2023-24

-:: **ईश्तहार** ::-

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-केशवनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सहेलाल आ0स्व0 जयधर जाति उरांव,निवासी ग्राम-नैनपुर तहसील लटोरी,जिला सूरजपुर(छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम नैनपुर प.ह.नं.21रा.नि.मं.पिलखा तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा 251/4 रकबा 0.08 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किए जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में ग्राम-केशवनगर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 11/09/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/08/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

सील

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0

-:: **ईश्तहार** ::-

आगामी तिथि 16/09/2024

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिए सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक गोपाल प्रसाद सोनी आ0 स्व0 इन्द्रदेव सोनी निवासी मस्जिदपारा सूरजपुर तहसील व जिला सूरजपुर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1870/2 रकबा 0.011 हे0 एवं 1871 रकबा 0.02 हे0 वर्गफीट भूमि एवं मकान को सेन्ट्रल बैंक महगवां में बंधक रखकर ऋण लेने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किए जाने का अनुरोध किया गया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 16/09/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
सूरजपुर

सील

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

-ईश्तहार -

रा0प्र0क्रं0 /अ-6/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण प्रदुमन कुमार सांडिल्य आ.स्व.कृष्णा प्रसाद, निवासी-शीतला वार्ड,अम्बिकापुर, वगै0 ने इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदकगण के पिता कृष्णा प्रसाद के स्वामित्व एवं अधिपत्य की नजूल भूमि शीट नं0 09 मोहल्ला-शीतला वार्ड, नगर अम्बिकापुर स्थित प्लॉट नंबर 3283/2, 3293/2, 3284/1 रकबा क्रमशः $0.22^{1/2}$, 0.07, 0.04 एकड़ भूमि है। आवेदकगण के पिता अर्थात् कृष्णा प्रसाद की मृत्यु दिनांक 01.01.2018 को हो गई है। अतः आवेदकगण द्वारा स्वयं को कृष्णा प्रसाद के वैध उत्तराधिकारी बताते हुए उक्त भूमि पर से अपने पिता का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण के आधार पर अपना नाम दर्ज कराने हेतु भूधारक की मृत्यु प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09/09/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/08/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

सील

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

राजधानी समाचार

अम्बिकापुर, शुक्रवार 30 अगस्त 2024

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलम बंद अभियान का 59 वां दिन

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के 59 वें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

छत्तीसगढ़ सरकार बुलडोजर कार्यवाही झेलने के बावजूद...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

क्यूं न लिखें सच ?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस व आईएएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया गया जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)